सम्पर्क ❖ सहयोग ❖ संस्कार ❖ सेवा ❖ समर्पण

# भारत विकास परिषद्
# Bharat Vikas Parishad

## वार्षिक प्रतिवेदन
## Annual Report
## 2021-22

भारत विकास परिषद् प्रकाशन

# भारत विकास परिषद् Bharat Vikas Parishad

## प्रकाशन सूची - List of Publication

| I. | पुस्तकें/पुस्तिकाएं | मूल्य (₹) |
|---|---|---|
| 1. | Karmayogi Swami Vivekanad | 10/- |
| 2. | Narendra To Vivekanad | 05/- |
| 3. | Dr. Suraj Prakash, a Life Dedicated to the Nation | 10/- |
| 4. | Bharat Ko Jano | 50/- |
| 5. | नरेन्द्र से विवेकानन्द | 05/- |
| 6. | राष्ट्र समर्पित डॉ. सूरज प्रकाश | 10/- |
| 7. | शाखा स्थापना एवं संचालन | 15/- |
| 8. | राष्ट्रीय चेतना के स्वर | 20/- |
| 9. | सुरेश (भैयाजी) जोशी | 30/- |
| 10. | भारत विकास परिषद् - परिचय | 01/- |
| 11. | भारत को जानो | 50/- |
| 12. | GVCA-Guidelines for Branches | 01/- |
| 13. | GVCA-Guidelines for Schools | 01/- |
| 14. | Divyang Sahayata Yojana | 01/- |
| 15. | Blood Donation | 01/- |
| 16. | रक्तदान | 01/- |
| 17. | दिव्यांग सहायता योजना | 01/- |
| 18. | गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन - शाखाओं के लिए निर्देश | 01/- |
| 19. | पर्यावरण | 01/- |
| 20. | समग्र ग्राम विकास | 01/- |
| 21. | प्रौढ साधना | 01/- |
| 21. | सामूहिक सरल विवाह | 01/- |
| 23. | संस्कृति सप्ताह | 01/- |
| 24. | बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ | 01/- |
| 25. | वनवासी सहायता | 01/- |
| 26. | हिन्द की चादर | 01/- |
| 27. | लेपल पिन | 35/- |
| 28. | चार्टर | 250/- |

Bharat Vikas Parishad Prakashan
Bharat Vikas Bhawan, BD Block, Behind Power House, Pitampura,
Delhi-110034 Ph. : 011-27313051, 27316049
E-mail: bvp@bvpindia.com website: www.bvpindia.com

# भारत विकास परिषद्

## केन्द्रीय कार्यालय

### संगठन का नाम - भारत विकास परिषद्

आदर्श : स्वामी विवेकानंद

स्थापना : 10 जुलाई 1963 (स्वामी विवेकानंद जन्म शताब्दी वर्ष )

पंजीकरण : सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट XXI ऑफ 1860

### मुख्य उद्देश्य

भारत विकास परिषद् एक सेवा-संस्कार उन्मुख, गैर-राजनीतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक स्वैच्छिक संगठन है। यह देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना से मानवता उत्थान के लिए सांस्कृतिक, सामाजिक, शैक्षणिक, नैतिक, राष्ट्रीय और आध्यात्मिक सभी क्षेत्रों में देश के विकास लिए समर्पित संगठन है।

12 जनवरी, 1963 को स्वामी विवेकानंद की जन्म शताब्दी के अवसर पर प्रसिद्ध उद्योगपति लाला हंस राज और समाज सुधारक डॉ. सूरज प्रकाश द्वारा सिटीजन कॉउन्सिल की स्थापना की गयी। प्रारम्भ में चीनी हमले के समय सीमा पर सैनिकों को भयंकर शीत में लड़ने के लिए मदद के रूप में मेवे एवं गरम कपड़े पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया गया इसी अनुभूति से प्रभावित होकर स्थाई समाज के गरीब एवं विपदाग्रस्त व्यक्तियों की मानवीय सहायता को गति देने के लिए इसका नाम बदलकर भारत विकास परिषद् कर दिया गया

### हमारी दृष्टि

हमारा प्रयास मानव उत्थान के सभी क्षेत्रों - सांस्कृतिक, सामाजिक, शैक्षणिक, नैतिक, राष्ट्रीय और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ-समर्थ-संस्कारित भारत यानी शारीरिक, आर्थिक और नैतिक रूप से मजबूत भारत का विकास करना

### हमारा कार्य

हमारा मिशन समाज के साधन सम्पन्न एवं बुद्धिजीवी व्यक्तियों को संगठित करके आभावग्रस्त, अशिक्षित एवं पिछड़े जनों की सेवा के प्रति उनके कर्तव्य भावना को जगाना करना और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को युवा पीढ़ी तक पहुंचाना।

## भौगोलिक संरचना

कुल क्षेत्र (रीजन) - 10

पूरे देश में परिषद् के कार्य अनुसार प्रांतों की संख्या - 79

शाखाओं की संख्या - 1433 और सदस्यता - 66620

जिलों की संख्या जिसमें शाखाएं हैं - 407 (55 प्रतिशत)

जिलों की संख्या जिसमें शाखाएं नहीं हैं - 341 (45 प्रतिशत)

## क्रियान्वयन

परिषद् की नीतियों और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु बनाई गई कार्य योजना को निम्नलिखित सूत्रों के माध्यम से निष्पादित किया जाता है :

The action plan for implementation of Parishad's policies and programmes is executed through the following sutras (maxims):

1. **संपर्क (Fellowship):** इसके माध्यम से हम ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर के उनसे संपर्क स्थापित करते हैं जो परिषद् की सदस्यता ग्रहण करके परिषद् के विभिन्न गतिविधियों कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी स्वीकार करें और उक्त हेतु अपना प्रभावी सहयोग प्रदान करें।

   Identify and establish personal contacts with such persons who will enroll themselves as members to accept responsibility and render effective assistance in Parishad's activities.

2. **सहयोग (Cooperation):** समाज के प्रभावी व्यक्तियों को साथ जोड़ कर उनका सक्रिय सहयोग प्राप्त करना और उनको महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देना।

   Enlist active co-operation and support of influential persons and give them responsibility.

3. **संस्कार (Moral Orientation):** अपनी विरासत के महान पहलुओं और उनके अध्यात्मिक पहलुओं के बारे में परिषद् के सदस्यों तथा शुभचिंतकों के बीच एक सकारात्मक जागरूता पैदा करना और इस विषय के प्रति उनको उन्मुख करना और शिक्षित करना।

   Educate and orient members and well-wishers by inculcating in them a positive awareness of the noblest aspects and the spiritual values of our heritage.

4. **सेवा (Sewa):** पूर्वगामी चरणों के दौरान जो प्रयास किये गए हैं उनकी तार्किक परिणिति सेवा ही है। ये वो सेवा जो निःस्वार्थ और समर्पित सेवा है, और जो प्राप्तकर्ता को किसी दान, कृपा या एहसान के रूप में नहीं अपितु हमारी सांस्कृतिक परंपरा में अन्तर्निहित एक सच्ची भावना के रूप में प्रदत्त होती है ये वो सेवा-भाव है जिसको हम पूजा मानते हैं ।

The logical culmination of efforts put in during the foregoing stages is service - selfless and dedicated service - not as an act of charity, condescension or favour conferred on the recipient, but in the true spirit of our cultural tradition treating service as worship.

5. **समर्पण (Commitment):** उपरोक्त सभी सूत्र देश के नागरिकों और उनके परिजनों को हमारी मातृभूमि की सेवा करने के लिए समुचित रूप से तैयार करने हेतु अपरिहार्य हैं।
All these maxims are indispensable for proper grooming of our citizens and their family members towards the service of our motherland.

# संगठन एवं वित्त

## बैठकें

### राष्ट्रीय कोर कमेटी की बैठकें

19-06-2021 फिजिकल भा.वि.प. भवन

10 एवं 11-07-2021 फिजिकल भा.वि.प. भवन

12-08-2021 वर्चुअल

20-08-2021 वर्चुअल

29 -08-2021 फिजिकल गुरुग्राम

09-10-2021 फिजिकल भा.वि.प. भवन

23-11-2021 फिजिकल भा.वि.प. भवन

16 एवं 17-01-2022 फिजिकल भा.वि.प. भवन

06 एवं 7-02-2022 फिजिकल भा.वि.प. भवन

5-6 मार्च 2022 फिजिकल भा.वि.प. भवन

### राष्ट्रीय कार्यकारणी समिति की बैठकें

9-08-2021 वर्चुअल

25-03-2022 फिजिकल भा.वि.प. भवन

### राष्ट्रीय परिषद् की बैठकें

25-08-2021 वर्चुअल

26-27 फरवरी 2022 को भारत विकास परिषद् केन्द्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय परिषद् की बैठक आयोजित की गई। जिसमें 225 पदाधिकारियों ने भौतिक एवं अभासीय माध्यम से भाग लिया।

**महिला एवं बाल विकास सम्मेलनः** 2020-21 में कोरोना के कारण कोई भी महिला सम्मेलन फिजिकल रुप से आयोजित नही हो सके परन्तु सभी रीजनों ने वर्चुअल आयोजित किये। सम्पूर्ण कोरोना काल में हमारी महिला एवं बाल विकास प्रकल्प की टीम ने समय-समय पर पूरे देश में एनीमिया एवं कुपोषण पर गोष्ठियाँ आयोजित की। और जैसे ही परिस्थितियाँ अनुकूल हुई एनीमिया के हजारो शिविरों के आयोजन कर जांच एवं उपचार किये गये। 2021-22 में उत्तर क्षेत्र-1 में 19 दिसम्बर 2021 को पटियाला (पंजाब ईस्ट) में महिला एवं बाल विकास क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें 8 प्रातों से 438 कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही।

**क्षेत्रीय अधिवेशनः** 2020-21 में क्षेत्रीय सम्मेलन फिजिकल रुप से आयोजित नही हो सके, परन्तु सभी रीजनों ने वर्चुअल माध्यम से आयोजित किये। 2021-22 में निम्नलिखित क्षेत्रीय अधिवेशन आयोजित हुएः

1) 7 नवम्बर 2021 को लुधियाना (पजाब पश्चिम) में उत्तर क्षेत्र-1 का क्षेत्रीय अधिवेशन आयोजित किया गया जिसमें पूरे क्षेत्र से 125 लोगों ने भाग लिया।
2) 19 दिसम्बर 2021 को लखनऊ (अवध प्रांत) में उत्तर मध्य क्षेत्र-2 का क्षेत्रीय अधिवेशन आयोजित किया गया जिसमें पूरे क्षेत्र से 350 लोगों ने भाग लिया।
3) 25 एवं 26 दिसम्बर 2021 को आगरा (ब्रज प्रांत) में उत्तर मध्य क्षेत्र-1 का क्षेत्रीय अधिवेशन आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रुप में भारत सरकार के केन्द्रीय संस्कृति राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल जी उपस्थित रहे। इस अधिवेशन में पूरे क्षेत्र से 350 लोगों ने भाग लिया।

## स्थायी कॉर्पस फंड

जैसा कि आप जानते हैं हमारे प्रकल्पों के वित्तपोषण के लिए और किसी प्राकृतिक आपदा में तत्काल राहत कार्यों के लिए धन उपलब्ध कराने की दृष्टि से भारत विकास परिषद् की "विकास रत्न" और "विकास मित्र" योजनाओं के माध्यम से स्थायी कॉर्पस फण्ड की व्यवस्था की है।

2021-22 में नए 25 विकास रत्न और 65 विकास मित्र जुड़े

इस प्रकार 31 मार्च 2022 तक 259 विकास रत्न और 3849 विकास मित्र थे। इसका प्रान्तशः विवरण पेज न. 27 पर संलग्न है।

### वित्तीय सहायता

| | |
|---|---|
| प्रान्तों को सेवा प्रकल्प हेतु | 1,18,113 |
| उत्तर पश्चिम के क्षेत्रीय कार्यालय (जयपुर) हेतु | 50,00,000 |
| उत्तर क्षेत्र-1 के क्षेत्रीय कार्यालय (पठानकोट) हेतु | 5,00,000 |

| | |
|---|---|
| उत्तर मध्य क्षेत्र-2 के क्षेत्रीय कार्यालय (लखनऊ) हेतु | 25,54,000 |
| प्रान्तों को कार्यक्रम हेतु | 3,26,000 |
| प्राकृतिक आपदा एवं अन्य राहत कार्य | 2,10,400 |
| **कुल योग** | **87,08,513** |

### लेखा-जोखा

भारत विकास परिषद् के साथ सभी प्रांतों का audited Balance Sheet and Income & Expenditure Account 2021-22 सम्मिलित रूप से (पेज न. 31 एवं 32 पर संलग्न है।

## प्रकल्प और कार्यक्रम

### संस्कार

**1. राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता** (NGSC):

कोरोना की दूसरी लहर की स्थिति में इस प्रकल्प के अंतर्गत भौतिक रूप से प्रतियोगिता आयोजित नहीं हो सकी, इसके स्थान पर सभी स्तरों पर आभासीय (Virtual) एकल गीत प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। राष्ट्रीय स्तर की एकल गीत प्रतियोगिता 6 फरवरी 2022 आभासीय माध्यम से भारत विकास परिषद् पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आतिथ्य में आयोजित की गई।

**2. भारत को जानो** (BKJ) :

कोरोना महामारी के कारण परिस्तिथियां प्रतिकूल थीं शिक्षा संस्थाएं बन्द होने के कारण चाहते हुए भी भौतिक रूप से कार्यक्रम आयोजित नहीं किये जा सके। फिर भी कई प्रांतो ने परिस्थितिनुसार शाखा -प्रांत - रीजन स्तर पर फिजिकल कार्यक्रमों का आायोजन किया।

उत्तर क्षेत्र-1 का क्षेत्रीय भारत को जानो प्रतियोगिता 28 नवम्बर 2021 को मोगा (पंजाब) में आयोजित किया गया। इसमें 8 प्रांतों से 14 टीमों ने भाग लिया।

उत्तर मध्य क्षेत्र -1 का क्षेत्रीय भारत को जानो प्रतियोगिता 2 जनवरी 2022 को मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) में आयोजित किया गया। जिसमें 7 प्रांतों से 13 टीमों ने भाग लिया।

उत्तर मध्य क्षेत्र -2 का क्षेत्रीय भारत को जानो प्रतियोगिता 8 जनवरी 2022 को उरई (उत्तर प्रदेश) में आयोजित किया गया। इसमें 5 प्रांतों से 10 टीमों ने भाग लिया।

शेष सभी क्षेत्रों में ऑनलाइन भारत को जानो प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

**ऑनलाइन प्रतियोगिताः**

इस वर्ष गीता ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्लेटफार्म के माध्यम से देश ही नहीं विदेशों में रहने वाले भारतीयों ने भी रजिस्ट्रेशन किया। इस प्रतियोगिता का रजिस्ट्रेशन 26 जनवरी 2022 को केंद्रीय पदाधिकारियों द्वारा किया गया। 5-6 मार्च 2022 को इसकी परीक्षा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से 2,01,562 लोग परिषद् के सम्पर्क में आए और 5608 लोगों ने रजिस्ट्रेशन किया।

### 3. गुरु वंदन छात्र अभिनंदनः

परिस्थितियाँ अनुकूल न होने के कारण सभी शिक्षण संस्थाएं बंद होने के स्थिति में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन के कार्यक्रम भौतिक रूप से आयोजित नहीं किये जा सके। कई शाखा-प्रांत-रीजन ने आभासीय माध्यम से कार्यक्रम आयोजित किये। जिसमें सभी क्षेत्रों से लगभग 5000 बच्चों ने भाग लिया।

### 4. गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस और अन्य प्रेरक कार्यक्रमः

गत वर्ष में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पूरे देश में 500 से अधिक कार्यक्रम महापुरुषों की जयंतियाँ एवं अन्य प्रेरक प्रसंगों पर आयोजित किये गये। जैसे - स्वामी विवेकानंद जयंती, गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस, छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती, स्वच्छता दिवस, योग दिवस, परिषद् स्थापना दिवस, स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस इत्यादि।

## सेवा

1. **दिव्यांग सहायता योजनाः** इस समय देश भर में परिषद् के 13 केन्द्र कार्यरत हैं। इन केंद्र पर शिविर का आयोजन करके दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं अन्य उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराते हैं।

| क्र. | स्थापना वर्ष | राज्य | शहर | 2021-22 | अब तक कुल अंगों वितरित 31 मार्च 2022 तक) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 1990 | दिल्ली | दिल्ली | 1490 | 86651 |
| 2 | 1992 | हिमाचल प्रदेश | नगरोटा | 0 | 5938 |
| 3 | 1993 | आन्ध्र प्रदेश | हैदराबाद | 2483 | 35365 |
| 4 | 1995 | असम | गुवाहाटी | 40 | 4171 |
| 5 | 1996 | पंजाब | लुधियाना | 2016 | 61991 |
| 6 | 1996 | राजस्थान | कोटा | 0 | 9428 |

| क्र. | स्थापना वर्ष | राज्य | शहर | 2021-22 | अब तक कुल अंगों वितरित 31 मार्च 2022 तक) |
|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 1996 | महाराष्ट्र | पुणे | 803 | 9223 |
| 8 | 1998 | गुजरात | अहमदाबाद | 575 | 21588 |
| 9 | 1998 | मध्य प्रदेश | इंदौर | 0 | 11468 |
| 10 | 1999 | बिहार | पटना | 1729 | 37884 |
| 11 | 1999 | हरियाणा | हिसार | 570 | 13713 |
| 12 | 2000 | उत्तर प्रदेश | मुरादाबाद | 0 | 7138 |
| 13 | 2005 | राजस्थान | सांचोर | 472 | 7411 |
| | | **कुल** | **13** | **10178** | **311969** |

- **परिषद् केन्द्रों द्वारा विकलांग सहायताः** परिषद् के दिव्यांग केन्द्र निःशुल्क कृत्रिम अंग, कैलीपर्स, श्रवण यंत्र, औषधियां, विशेष प्रकार के जूते एवं ट्राईसाइकिल प्रदान करते हैं। उनके द्वारा मोबाइल वर्कशॉप भी संचालित किए जाते हैं जो कृत्रिम अंग निर्माण करती हैं और परिषद् की विभिन्न शाखाओं द्वारा आयोजित शिविर में अपनी सेवाएं प्रदान करती हैं। कुछ केन्द्रों द्वारा पोलियो ग्रस्त लोगों की सहायता के लिए उनके ऑपरेशन के विशिष्ट कार्यक्रम भी संचालित किये जा रहे हैं।
- **दिव्यांग पुनर्वास एवं कल्याणः** परिषद् द्वारा देश के कई सेवा केन्द्रों में दिव्यांगजनों के पुनर्वास हेतु सक्रिय रूप से कार्य किया जा रहा है, ताकि वे एक आत्मनिर्भर जीवन जी सकें। इन केन्द्रों में दिव्यांगों को रोजगारपरक प्रशिक्षण जैसे, कम्प्यूटर पर काम करना, सिलाई, कपड़ों की छपाई, जिल्दसाजी, मोमबत्ती, चाक, डस्टर, कुर्सी बुनना, चमड़े की बेल्ट, स्थानीय एवं पारम्परिक वस्त्रों एवं वस्तुओं, बांस की टोकरियाँ, हथकरधा से बना बेग इत्यादि का निर्माण एवं अन्य इसी प्रकार की कारीगरी सिखाई जाती है। कार्यालयों, फैक्ट्रियों इत्यादि में इन्हें रोजगार दिलाने का भी प्रयास किया जाता है। ये केन्द्र दिव्यांगों के विवाह का भी आयोजन करते हैं।

3. **समग्र ग्राम विकास योजनाः** गांवो के सर्वांगीण विकास के लिए भारत विकास परिषद् का समग्र ग्राम विकास योजना एक अति महत्वाकांक्षी प्रकल्प है। इसके अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में जिंदल फाउंडेशन कनाडा की वित्तीय सहायता से परिषद् द्वारा गांवों में बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए गांवों को गोद लिया जाता है। अभी तक परिषद् द्वारा 19 राज्यों में 67 गांवों को गोद लिया जा चुका है। जिसमें 16 गांवों में कार्य पूरा हो गया है और 51 गांवों में कार्य प्रगति पर है। पिछले 2 सालों में कोरोना महामारी की स्थिति में नए गांवों का चयन नहीं किया जा सका है। अभी 3-4 नए गाँवों को चयनित करने की प्रक्रिया जारी है।

## Work Completed

| S. No. | Work Started | State | District | Name of Village |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 04.02.2006 | Himachal Pradesh | Chamba | Khajjiar |
| 2 | 08.06.2005 | Uttar Pradesh | Bagpat | Sunder Nagar |
| 3 | 10.10.2014 | Andhra Pradesh | Mehboob Nagar | Eklaspur |
| 4 | 26.10.2013 | Punjab | Pathankot | Dunera |
| 5 | 15.08.2005 | Haryana | Hisar | Mohabbatpur |
| 6 | 22.10.2010 | Rajasthan | Udaipur | Kaliwas Village |
| 7 | 08.06.2010 | Karnataka | Mysore | Kumbarakoppalu |
| 8 | 07.10.2010 | Punjab | Ludhiana | Lohat Baddi |
| 9 | 09.11.2012 | Jammu & Kashmir | Samba | Rampur Gadwal |
| 10 | 24.01.2014 | Odisha | Khordha | Kantabania |
| 11 | 14.12.2011 | West Bengal | Hubli | Ilsoba |
| 12 | 18.07.2009 | Maharashtra | Thane | Dunge |
| 13 | 20.07.2016 | Rajasthan | Ajmer | Singhawal |
| 14 | 07.05.2012 | Rajasthan | Baran | Mathana |
| 15 | 14.12.2011 | Assam | Bornarikola | Barnarikola |
| 16 | 14.12.2011 | Punjab | Pathankot | Dhar |
| **Work closed** | | | | |
| 1 | 21.06.2009 | Madhya Pradesh | Dewas | Banger Dewas |
| 2 | 06.10.2012 | Rajasthan | Bhilwara | Bhojras |
| 3 | 02.06.2012 | Uttar Pradesh | Lucknow | Sikanderpur Khurd |
| 4 | 02.06.2012 | Bihar | Gaya | Karma Tikar Gulani |
| 5 | 05.11.2012 | Uttar Pradesh | Raebareli | Chandai Raghunathpur |
| **Work in progress** | | | | |
| 1 | 11.10.2010 | Tripura | West Tripura | Champamura |
| 2 | 19.11.2016 | Karnataka | Uttar Kannada | Katgal |
| 3 | 31.10.2013 | Maharashtra | Nashik | Karaouli- Nasik |
| 4 | 30.03.2019 | Rajasthan | Dungarpur | Bhiludi |
| 5 | 01.07.2015 | Andhra Pradesh | Srikakulam | Kadumu Ghansara |
| 6 | 16.02.2015 | Bihar | East Champaran | Amva Motihari |
| 7 | 12.10.2015 | Odisha | Nayagarh | Barpalla |
| 8 | 01.04.2014 | Odisha | Ganjam | Shahpur |
| 9 | 31.01.2014 | Uttar Pradesh | Raibarely | Behta Khurd |
| 10 | 15.11.2019 | Bihar | Madhepura | Ekparha Bihar |
| 11 | 22.12.2014 | Odisha | Cuttack | Puruna Tigiria |
| 12 | 30.03.2019 | Rajasthan | Dungerpur | Ghata Ka Gaon |
| 13 | 02.01.2015 | Madhya Pradesh | Katni | Pusara Katni |
| 14 | 14.09.2018 | Jharkhand | Deoghar | Shankar Gali- Deoghar |

| S. No. | Work Started | State | District | Name of Village |
|---|---|---|---|---|
| 15 | 14.09.2018 | Jharkhand | Ranchi | Mandro ( Ranchi) |
| 16 | 22.01.2016 | Punjab | Gurdaspur | Ram Nagar |
| 17 | 30.03.2019 | Uttar Pradesh | Chandauli | Bhushikritpurwa |
| 18 | 25.07.2017 | Bihar | Darbhanga | Dhanauli |
| 19 | 28.12.2017 | Uttrakhand | Haridwar | Khala Teera |
| 20 | 18.05.2015 | Odisha | Sambalpur | Kultanua Palli |
| 21 | 12.10.2015 | Madhya Pradesh | Shajapur | Pipliya Naulay |
| 22 | 01.01.2016 | Bihar | Muzaffarpur | Meghratwara |
| 23 | 25.01.2017 | Madhya Pradesh | Bhind | Sitaram Ki Lawan |
| 24 | 21.01.2019 | Rajasthan | Bundi | Shreepura Village |
| 25 | 30.03.2019 | Uttar Pradesh | Mirzapur | Pakri( Narayanpur ) |
| 26 | 14.08.2018 | Rajasthan | Bundi | Gopalpura (Bundi) |
| 27 | 14.06.2018 | Jammu & Kashmir | Jammu | Kotla Village |
| 28 | 31.02.2019 | Karnataka | Bagalkot | Chinchkhandi |
| 29 | 26.06.2018 | Haryana | Sonipat | Mehandipur- Gannaur |
| 30 | 01.04.2018 | Madhya Pradesh | Jabalpur | Machhariya |
| 31 | 28.09.2020 | Rajasthan | Ganganagar | Faridasar |
| 32 | 23.07.2017 | Jharkhand | Ranchi | Nachiyatu |
| 33 | 23.07.2017 | Andhra Pradesh | East Godavari | Pandharimadikota |
| 34 | 23.07.2017 | Andhra Pradesh | Gudiwada | Singalore (Gudiwada) |
| 35 | 02.11.2020 | Rajasthan | Dholpur | Aligarh ( Dholpur) |
| 36 | 19.08.2018 | Madhya Pradesh | Dewas | Lasudiya (Dewas) |
| 37 | 25.07.2017 | Odisha | Sambalpur | Talapdar |
| 38 | 01.12.2018 | Uttar Pradesh | Madhubani | Bhagwatipur |
| 39 | 20.12.2018 | Bihar | Gaya | Hitan Parari |
| 40 | 30.03.2019 | Maharashtra | Aurangabad | Mahatarewadi |
| 41 | 09.12.2019 | Maharashtra | Nagpur | Chouki Navarmari |
| 42 | 30.03.2019 | Gujarat | Sabarkantha | Bandhana |
| 43 | 30.03.2019 | Uttar Pradesh | Varanasi | Vishnupura |
| 44 | 30.03.2019 | Uttar Pradesh | Mau | Horo Ki Mathia |
| 45 | 03.01.2020 | Jammu & Kashmir | Leh | Bhartiya Vidya Niketan |
| 46 | 16.07.2021 | Madhya Pradesh | Gwalior | Maithana |

परिषद् द्वारा अब तक इस प्रकल्प के लिए 4.8 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है। यह राशि ग्रामीणों द्वारा प्रदान किए गए धन और श्रम के रूप में दिए गए योगदान से अलग है।

3. **स्थायी प्रकल्पः** भारत विकास परिषद् की विभिन्न शाखाएं स्थायी प्रकल्प चला रही है जिनकी गतिविधियां समाज के लाभ के लिए दैनिक या साप्ताहिक आधार पर संचालित की जाती है। इस प्रकल्प के अंतर्गत अस्पताल, क्लिनिक, फिजियोथैरेपी केन्द्र, मोबाइल वैन, पैथोलॉजी लैब, अल्ट्रासाउंड केन्द्र, ब्लड बैंक, शैक्षिक संस्थान, प्रशिक्षण केंद्र, पुस्तकालय, योग प्रशिक्षण केन्द्र, संस्कार केन्द्र, वरिष्ठ नागरिक कल्याण केन्द्र, मुक्तिधाम, शव वाहन इत्यादि।

| सेवा प्रकल्पों की संख्या | 1680 |
|---|---|
| शिक्षा | 257 |
| स्वास्थ्य | 413 |
| स्वावलम्बन | 355 |
| सामाजिक | 675 |

4. **वनवासी सहायता (आदिवासी विकास):** भारत विकास परिषद् सामान्य और विशेष रूप से उत्तर पूर्वी राज्यों एवं देश के अन्य राज्यों के वनवासियों के कल्याण और उत्थान के लिए काम कर रही है। परिषद् ने शौचालय निर्माण, कढ़ाई-सिलाई केंद्र, कंप्यूटर शिक्षा केंद्र, छात्रावास, एकल विद्यालय, पुस्तकालय, चिकित्सा वैन, सौर संयंत्र, पेयजल और अन्य व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र जैसी परियोजनाओं के माध्यम से स्वावलम्बी बनाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त उत्तर-पूर्व के विभिन्न क्षेत्रों में निम्नलिखित कार्य किये जा रहे हैं।

- मणिपुर के थौबल (जिला थौबल) मोइरंग (बिशनपुर) थान्गा (विष्णुपुर) गावों में 100 शौचालयों का निर्माण कराया गया।
- इम्फाल जिले के चिंगमेरंग गांव में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करने हेतु भारत विकास परिषद् द्वारा एक सामुदायिक R-O~ प्लांट लगाया गया। जिसके संचालन से पूरे गांव को R-O~ का स्वच्छ पेयजल प्राप्त हो रहा है।
- पातसोई (इम्फाल वेस्ट) एवं चिंगमेरांग (इम्फाल ईस्ट) में सिलाई -कढ़ाई बुनाई के लिए पावर लूम (Power loom) का संचालन किया जाता है। यहाँ पर भारत विकास परिषद् के सहयोग से महिलाओं ने समूह बनाकर मणिपुर की पारम्परिक कपड़ों की सिलाई-कढ़ाई-बुनाई करके दिल्ली में बिक्री की जिससे कई लाख रुपयों का लाभ कमाया।
- मणिपुर में एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत इंफाल ईस्ट, इम्फाल वेस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, चंदेल एवं कांगपोकपि जिलों में भारत विकास परिषद् द्वारा विभिन्न कैंपो के माध्यम से 15-55 वर्ष आयु की 3000 महिलाओं का हीमोग्लोबिन स्क्रीन टेस्ट किया गया। इसके अलावा वहां पर 15000 से अधिक सेनेटरी नैपकिन, आयरन एवं मल्टीविटामिन की गोलियां तथा पौष्टिक खाद्य सामग्री वितरित की गयी। इस अभियान को और अधिक गतिशील एवं प्रभावी बनाने के लिए 17 सितम्बर 2021 को मोबाइल टेस्टिंग वैन का शुभारंभ किया गया।

- अगरतला में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु 3 सिलाई एवं कौशल विकास केंद्रों का संचालन किया जा रहा है जिसमें 300 से अधिक महिलाओं को रोजगार प्राप्त हो रहा है।
- त्रिपुरा के उदयपुर में बारमुरा गांव को भारत विकास परिषद् द्वारा अंगीकृत करके वहां पर मूलभूत सुविधाएँ प्रदान करने के साथ-साथ महिलाओं के लिए कौशल विकास केंद्र भी संचालित किया जा रहा है।
- धर्मनगर के पानिचारा एवं कैलाशर के देववर्मापरा गांवो में भी सिलाई एवं कौशल विकास केंद्रों का संचालन किया जा रहा है।
- मिजोरम में लोगतलई जिले के अति पिछड़े गांव मालछोरा में जहाँ पर लोगों ने बिजली का नाम भी नहीं सुना था। उस गांव में भारत विकास परिषद् द्वारा 16,25,000 (सोलह लाख पच्चीस हजार) की लागत से 150 सोलर हाउस लाइट लगवाई गई। आज वह गांव चहुमुखी विकास की ओर अग्रसर हो रहा है।
- कोरोना काल के दौरान आइजोल में भारत विकास परिषद् द्वारा 300 लोगों को राशन (10 किलो चावल, 5 किलो आलू, 2 किलो दाल, 2 किलो चीनी,1 किलो तेल, 1 किलो नमक एवं मसाले) की किट प्रदान की गई।
- मिजोरम के आइजोल में भारत विकास परिषद् एवं नार्थ ईस्ट कृषि विश्वविद्यालय के साथ MOU, करके मुर्गी पालन एवं सुअर पालन के लिए लगभग 100 गावों के प्रत्येक घर में मुर्गी के चूजे एवं पिग्लेट्स प्रदान किये गए जिससे वहां के लोगों को बहुत अच्छा रोजगार प्राप्त हो रहा है। वहां के जो युवक जो पहले उग्रवाद में संलिप्त था वे आज अपने रोजगार में लगे हुए है।-

5 **सामूहिक सरल विवाहः** इस कार्य द्वारा समाज में समरसता भाव के विकास में सहयोग किया जा रहा है। बेटी के विवाह में आर्थिक रुप से कमजोर का साथ देकर सबल वर्ग सामाजिक सुरक्षा के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

भारत विकास परिषद् प्रत्येक साल गरीब एवं जरुतरमंद युवा लड़के लड़कियां के सामूहिक सरल विवाह का आयोजन करती है। इसके अंतर्गत 330 जोड़ो की शादी करवाई गई।

6 **पर्यावरणः** भारत विकास परिषद् पर्यावरण के क्षेत्र में व्यापक रूप से कार्य कर रही है। जिनमें पौधा वितरण एवं पौधारोपण, ट्री गार्ड लगाकर पौधों की सुरक्षा, जल संरक्षण, सामाजिक प्रयासों से पोखर, तालाबों को जीवंत करने का प्रयास, प्लास्टिक का उपयोग न करना, कपडों के थैलों का वितरण और पर्यावरण से संबंधित अन्य जागरूकता कार्यक्रम। हमारी शाखाओं ने 643 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए और 163681 पौधों का वितरण किया।

7 **स्वास्थ्यः** हमारी शाखाएं नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच रक्तदान शिविर और विशेष चिकित्सा शिविर जैसे दंत चिकित्सा देखभाल, आंखों की देखभाल, टीबी शिविर,

हेपेटाइटिस शिविर और बधिरों के लिए शिविर आदि आयोजित करती हैं। नेत्रदान और सर्जरी की सुविधाएं भी प्रदान की जाती है। शाखाएँ नियमित रूप से स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर सेमिनार आयोजित करती है और बड़े पैमाने पर योग शिविर आयोजित करती हैं। वर्ष के दौरान शाखाओं द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लाभार्थी निम्नानुसार थेः-

| | |
|---|---|
| आयोजित रक्तदान शिविर की संख्या | 502 |
| एकत्रित इकाइयों (रक्त) की संख्या | 37030 |
| आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर की संख्या | 782 |
| लाभार्थियों की संख्या | 155016 |
| आयोजित नेत्र जांच शिविर की संख्या | 296 |
| नेत्र जांच लाभार्थियों की संख्या | 29600 |
| नेत्रदान की संख्या | 52 |
| आयोजित योग कार्यक्रम की संख्या | 460 |
| योग कार्यक्रम में भागीदारी | 9200 |
| **कुल** | **230898** |

8 **महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्रः** स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के अलावा, भारत विकास परिषद् ने अस्पताल और उपचार केंद्र स्थापित किए हैं, जहां पर जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क या अत्यधिक रियायती दरों पर चिकित्सात्मक सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

I. **भारत विकास परिषद् अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, कोटा (राजस्थान)ः** भारत विकास परिषद् कोटा अस्पताल 54000 वर्ग फुट में फैला 350 से अधिक बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल है, जिसमें 78 परामर्शदाता चिकित्सा विशेषज्ञ और 442 कर्मचारी चौबीसों घंटे 365 दिन सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। अस्पताल में डेंटल, ऑर्थोपेडिक, पीडियाट्रिक, गाइनों, जनरल फिजिशियन, ईएनटी, कार्डियोलॉजी, फिजियोथेरेपी, न्यूरो सर्जरी, न्यूरो फिजिशियन, यूरोलॉजी, कैंसर ट्रीटमेंट, स्किन, डायटीशियन शामिल हैं। पैथोलॉजिकल डायग्नोसिस, कलर डॉप्लर, टीएमटी, एंजियोग्राफी, सोनोग्राफी, डिजिटल एक्स-रे आदि की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

सभी आधुनिक उपकरणों के साथ एडवांस कैथ लैब, डायलिसिस, सीटी स्कैन, पूरी तरह से सुसज्जित स्ट्रोक, आईसीयू, आईसीसीयू, पीआईसीयू और एनआईसीयू की सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

विगत दो वर्षों के दौरान अस्पताल ने कुल 9 लाख रोगियों को उपचार प्रदान किया। इसके अलावा 35000 मरीजों को विभिन्न विभागों में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में इस वर्ष अब तक 9761 सर्जरी की जा चुकी हैं। ओपन हर्ट्स सर्जरी 2000 से अधिक एवं 2000 से अधिक घुटनों का प्रत्यारोपण किया जा चुका है।

| | CATEGORY | 2021 - 22 |
|---|---|---|
| 1 | Outdoor | 2,10,439 |
| 2 | Indoor Admissions | 15,673 |
| 3 | Surgery | 3,478 |
| 4 | Pathology Examination | 90,067 |
| 5 | X&Ray | 25,589 |
| 6 | Sonography | 15,767 |
| 7 | 2&D Echo | 8,602 |
| 8 | T-M-T- | 620 |
| 9 | Concessions (in Rupees) | 50,34,438 |

**भारत विकास परिषद् ब्लड बैंकः** अस्पताल ने नवीनतम मशीनों से सुसज्जित BVP CyM बैंक नाम से है। ब्लड बैंक ने 3,111 यूनिट एकत्र किए।

**माधव नर्सिंग कॉलेज, कोटाः** माधव नर्सिंग कॉलेज वर्ष 2017-18 में प्रारम्भ की गई। यह प्रतिवर्ष 100 से अधिक विद्यार्थियों को 4 वर्षीय बी.एस.सी.नर्सिंग प्रशिक्षण कोर्स प्रदान करता है।

**माधव नर्सिंग स्कूल, कोटाः** 8,000 वर्ग फुट क्षेत्र में निर्मित माधव नर्सिंग स्कूल वर्ष 2017-18 में प्रारम्भ किया गया। इसमें प्रत्येक वर्ष 50 से अधिक 3 साल का नर्सिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान किया जाता है। वर्तमान में 150 छात्र प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

**भारत विकास परिषद् पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट, कोटाः** लैब, ईसीजी, ब्लड बैंक, ओ.टी., डायलिसिस, ऑर्थोपेडिक और एंडोस्कोपी तकनीशियन के लिए दो वर्षीय डिप्लोमा कोर्स 2017-18 में शुरू किया गया। प्रत्येक पाठ्यक्रम 25 छात्रों के लिए है। वर्तमान में 150 विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

II. **भारत विकास आयुर्विज्ञान संस्थान** (**BVIMS**): भारत विकास परिषद् कोटा अस्पताल ने 30 एकड़ भूमि अधिग्रहित की है जिस पर 750 बिस्तरों का मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, डेंटल कॉलेज, आयुर्वेदिक कॉलेज, प्राकृतिक चिकित्सा, परिजन निवास आदि के साथ राष्ट्रीय स्तर के कैंसर अस्पताल के निर्माण के लिए कार्य प्रगति पर है। यह कार्य तीन चरणों में पूरा करने की योजना है जिस पर अनुमानित लागत लगभग रु. 400-500 करोड़ है।

III. **भारत विकास परिषद् चैरिटेबल मेडिकल सेंटर, चंडीगढ़**: परिषद् की आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित डायग्नोस्टिक सेंटर जहां पर पैथोलॉजिकल लैब, एम.आर.आइ., सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे, नेत्र चिकित्सा सहित अन्य निदान और उपचार सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। ओपीडी में स्त्री रोग, सामान्य चिकित्सा, हड्डी रोग, त्वचा, बाल रोग, परामर्श और नुस्खे के लिए परामर्श प्रदान कर रहा है। सभी में अत्याधुनिक

उपकरण काम में लिए जा रहे हैं। 10 डॉक्टर्स की ओ.पी.डी. संचालित हो रही है। बेटी परियोजना के अन्तर्गत हजारों छात्राओं के शिक्षा सामग्री बांटी जाती है केन्द्र में विगत दो वर्षों में 7.50 लाख रोगी लाभान्वित हुए।

IV. **भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट अस्पताल, लुधियानाः** भारत विकास परिषद् चैरिटेबल ट्रस्ट अस्पताल लुधियाना में 45 स्टाफ के साथ चल रहा है। अस्पताल नेचुरोपैथी चिकित्सा केंद्र, होम्योपैथी केंद्र, सामान्य चिकित्सा, बाल चिकित्सा, स्त्री रोग, नेत्र विभाग, दंत विभाग, एक्यूप्रेशर और एक्यूपंक्चर भी प्रदान कर रहा है। इस वर्ष ट्रस्ट अस्पताल ने 8980 मरीजों का इलाज किया। इसके अतिरिक्ति दिव्यांगों के लिए निम्न उपकरण वितरित किये गये। कृत्रिम अंग-1447, कानों की मशीन-567, ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर-294, पोलियो ऑपरेशन-20, अब तक लाभार्थी (2005 से) 4.50 लाख।

V. **भारत विकास परिषद् पुनर्वास केंद्र एवं संजय आनंद विकलांग अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, पटनाः** यह प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक्स का सुपर स्पेशलिटी सेंटर है। यहां पर पोलियो कॉरेक्टिव एवं इन्नोवेटिव सर्जरी और अस्थिर विकलांग शल्य चिकित्सा इकाई के साथ-साथ अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ फिजियोथेरेपी केंद्र भी है। इस केंद्र ने अब तक 35000 कृत्रिम अंग का वितरण, 9094 कॉरेक्टिव सर्जरी, 126 शल्य चिकित्सा शिविर, 327 विकलांग सहायता शिविर का आयोजन एव 524 ट्राइसाइकिल तथा 613 व्हीलचेयर वितरित किये। इसके अलावा केंद्र ने 5475 लोगों का न्यूरो-थेरेपी सेवाएं प्रदान की।

VI. **भारत विकास परिषद् विवेकानंद आरोग्य केंद्र गुरुग्रामः** आरोग्य केंद्र गुरुग्राम में निम्नलिखित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं कार्डियोलॉजी, सामान्य चिकित्सा, सामान्य सर्जन, स्त्री रोग, नेत्र चिकित्सा, फिजियोथेरेपी, पल्मोनोलॉजी और न्यूरोलॉजी। इसके अलावा डायलिसिस, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे, इको, टीएमटी, पीएफटी, ईसीजी, ईईजी, मेमोग्राफी, ओपीडी और होल्टर टेस्ट की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। गत वर्ष के दौरान, केंद्र द्वारा 55,943 रोगियों ने लाभ प्राप्त किया। केंद्र में 15 डायलेसिस मशीनों से हजारों रोगियों का डायलेसिस न्यूनतम दरों पर किया गया।

**OPD**

Dental, Cardiology, Pediatricks, Urology, Dermatology, ENT, Gastroenterology, General Physician, General Surgeon, Gynecology And Obstetrics, Nephrology,

Neurology, Nutrition and Dietetics, Oncology, Ophthalmology, Orthopedics, Physiotherapy, Psychiatrist, Pulmonology, Ayurvedic

**TESTs**

Ultrasound, X-Ray, CT Scan, OPD, Mammograhy, Chemotherapy, Dialysis, ECG è Holter, EEG, OCT è YAG Laser è HVF, Echo, TMT, PFT, Endoscopy, Colonoscopy, Uroflowmetry, DIABETS Clinic (Neuropathy Analysis, Vasculopathy Analysis, CAN Analysis, Podia Scan), Fiboroscan,

Sigmoldoscopy, Path lab, General Surgery, Ortho Surgery, ENT Surgery, Audiometry

**Total Beneficiaries**

| | |
|---|---|
| Total Number of OPD | 65522 |
| Total Number of Procedure Including Surgery and Operations | 22136 |
| Total Number of Dialysis | 6356 |
| Total Number of Cancer Treatment | 686 |
| | **94700** |

VII. **दिव्यांग सहायता केंद्र दिल्लीः** दिल्ली स्थित भारत विकास परिषद् का यह पहला दिव्यांग सहायता केन्द्र हैं इस वर्ष केन्द्र द्वारा निम्न कार्य किए गए।

- कृत्रिम अंग का वितरण-1422, इसके साथ केन्द्र द्वारा अब तक 85161 कृत्रिम अंग वितरित किये जा चुके हैं
- नेत्र ऑपरेशन-1547, इसके साथ केन्द्र द्वारा अब तक 25076 नेत्र ऑपरेशन किये जा चुके हैं।
- नेत्र चिकित्सा के अंतर्गत चश्मे का वितरण-1020, केन्द्र द्वारा अब तक 133414 चश्में वितरित किये।

VIII. **जेनेरिक मेडिसिन सुविधाएंः** भारत विकास परिषद् चैरिटेबल ट्रस्ट हैदराबाद (तेलंगाना) में ''भारत विकास संजीवनी जेनेरिक मेडिकल स्टोर'' कुशल फार्मासिस्टों द्वारा संचालित किया जा रहा हैं। यह जेनेरिक दवाएं मार्केट में उपलब्ध मेडिकल स्टोरों की तुलना में बहुत कम दर पर प्रदान की जा रही हैं। वर्तमान में, 16 जेनेरिक मेडिकल स्टोर प्रतिदिन 700 से अधिक रोगियों की सेवा कर रहे हैं। इससे वर्ष भर 2,55,500 से अधिक जरूरतमंद लाभान्वित हो रहे हैं।

IX. **डॉ सूरज प्रकाश आरोग्य केन्द्र, फरीदाबादः** भारत विकास परिषद् स्वास्थ्य आयामों के अंतर्गत फरीदाबाद (हरियाणा) सैक्टर-8 में एक स्थायी प्रकल्प डॉ सूरज प्रकाश आरोग्य केन्द्र का संचालन प्रारम्भ हुआ है। यह केन्द्र जनवरी 2022 से प्रारम्भ हो गया है। इस केन्द्र पर 20 बैड का अत्याधुनिक डायलिसिस सेंटर, 32 Slice Wipro GE co. का C.T. स्केन व अल्ट्रासाउंड मशीन, 400 ma की एक्से मशीन, Echo, TMT Holter व अन्य उपकरण स्थापित गए हैं। 16 चिकित्सकों की टीम द्वारा सेवा भावनापूर्वक सभी विभागो मे OPD द्वारा डेयर मे हजारों रोगियों की जांच तथा उपचार न्यूनतम दरों पर किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य मध्यमवर्ग व निम्न आय वर्ग तक उच्च स्तरीय मैडिकल सुविधाए उपलब्ध करवाना है।

इस केन्द्र का शिलान्यास कोरोना काल में हुआ और करोना काल में ही सेवाएं प्रारम्भ होना बड़ी उपलब्धि है। केन्द्र ने अब तक 40 करोड़ रुपये एकत्रित कर खर्च किए हैं।

इसके अलावा देश के विभिन्न भागों में भारत विकास परिषद् ट्रस्टों के माध्यम से स्वस्थ सेवाओं के विभिन्न आयाम चलाए जा रहे हैंः

| | | |
|---|---|---|
| भा.वि.प. वेस्ट-2 ब्रांच चैरिटेबल ट्रस्ट | चंडीगढ़ | चंडीगढ़ |
| भा.वि.प. क्लीनिकल लैब सोसाइटी | शिमला | हिमाचल |
| भा.वि.प. दिव्यांग पुनर्वास संस्थान | नगरोटा बगवाँ | हिमाचल |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | उना | हिमाचल |
| भा.वि.प. चैरिटेबल मेडीकेयर ट्रस्ट | मंडी गोबिन्दगढ़ | पंजाब |
| भा.वि.प. चैरिटेबल सेवा ट्रस्ट | फाजिलका | पंजाब |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | लुधियाना | पंजाब |
| भा.वि.प. विवेकानंद सेवा ट्रस्ट | लुधियाना | पंजाब |
| भा.वि.प. चैरिटेबल एंव रिसर्च ट्रस्ट | पंचकूला | हरियाणा |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | अंबाला | हरियाणा |
| भा.वि.प. डॉ. पुनीत जैन मेमोरियल एवं रिसर्च ट्रस्ट | अंबाला | हरियाणा |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | यमुनानगर | हरियाणा |
| भा.वि.प. हरियाणा भारत विकास फाउंडेशन | हिसार | हरियाणा |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | भूना | हरियाणा |
| भा.वि.प. सोसियल वेलफेयर ट्रस्ट | फरीदाबाद | हरियाणा |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | रोहतक | हरियाणा |
| भा.वि.प. जींद चैरिटेबल ट्रस्ट | जींद | हरियाणा |
| भा.वि.प. रुद्रपुर चैरिटेबल ट्रस्ट | रुद्रपुर | उत्तराखण्ड़ |
| भा.वि.प. विकलांग सेवा न्यास | मुरादाबाद | उ.प्र. |
| भा.वि.प. कन्या इंटर कॉलेज | खुर्जा | उ.प्र. |
| भा.वि.प. एजुकेशनल ट्रस्ट | डिबाई | उ.प्र. |
| भा.वि.प. पूर्वी शाखा लखनऊ सेवा ट्रस्ट | लखनऊ | उ.प्र. |
| भा.वि.प. अवध चैरिटेबल ट्रस्ट,लखनऊ | लखनऊ | उ.प्र. |
| भा.वि.प. सेवा न्यास रायबरेली | रायबरेली | उ.प्र. |
| भा.वि.प. सेवा संस्थान बहराइच | बहराइच | उ.प्र. |
| भा.वि.प. काशी प्रदेश वरुणा शाखा ट्रस्ट | बनारस | उ.प्र. |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | कोलकाता | पश्चिम बंगाल |
| भा.वि.प. असम भारत विकास फाउंडेशन | गुवाहाटी | असम |

| | | |
|---|---|---|
| भा.वि.प. तेजपुर चैरिटेबल ट्रस्ट, | तेजपुर | असम |
| भा.वि.प. बोंगाइगांव चैरिटेबल ट्रस्ट, | बोंगाईगांव | असम |
| भा.वि.प. सेवा न्यास | इंदौर | मध्य प्रदेश |
| भा.वि.प. मध्य भारत पूर्व प्रांत चैरिटेबल ट्रस्ट | ग्वालियर | मध्य प्रदेश |
| भा.वि.प. विकास संस्थान | जोधपुर | राजस्थान |
| भा.वि.प. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर | बीकानेर | राजस्थान |
| भा.वि.प. अजमेर मुख्य चैरिटेबल ट्रस्ट | अजमेर | राजस्थान |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | ब्यावर | राजस्थान |
| भा.वि.प. भीलवाड़ा चैरिटेबल ट्रस्ट | भीलवाड़ा | राजस्थान |
| भा.वि.प. सांचौर चैरिटेबल ट्रस्ट | सांचोर | राजस्थान |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट किशनगढ़ | अजमेर | राजस्थान |
| भा.वि.प. रामगंजमंडी चिकित्सालय एवं अनुसंधान संस्थान | कोटा | राजस्थान |
| भा.वि.प. दौसा चैरिटेबल ट्रस्ट | दौसा | राजस्थान |
| भा.वि.प. अलवर चैरिटेबल ट्रस्ट | अलवर | राजस्थान |
| भा.वि.प. चित्तोडगढ़ चैरिटेबल ट्रस्ट | चित्तोडगढ़ | राजस्थान |
| भा.वि.प. सेवा संस्थान | बूंदी | राजस्थान |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | हैदराबाद | आंध्र प्रदेश |
| भा.वि.प. बजाज रूरल डेवलोपमेंट ट्रस्ट | हैदराबाद | आंध्र प्रदेश |
| भा.वि.प. फाउण्डेशन ट्रस्ट | विजयवाड़ा | आंध्र प्रदेष |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | सिंगालोरे | आंध्र प्रदेश |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | बैंगलोर | कर्नाटक |
| भा.वि.प. फाउंडेशन ट्रस्ट | बैंगलोर | कर्नाटक |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | होसपेट | कर्नाटक |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | मड्डूर | कर्नाटक |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | बैंगलोर | कर्नाटक |
| भा.वि.प. फाउंडेशन | बैंगलोर | कर्नाटक |
| भा.वि.प. चैरिटेबल ट्रस्ट | कोचीन | केरल |
| भा.वि.प. जन सेवा ट्रस्ट | चेन्नई | तमिलनाडु |

**भा.वि.प. गुजरात मध्यः** विकलांग सहायता केन्द, ग्राम विकास प्रकल्प, कम्प्यूटर शिक्षा, जेनेरिक मेडिकल स्टोर, आई.सी.यू.ऑन व्हील, टिफन सेवा, बाल संस्कार केन्द्र,

फिजियोथैरेपी केन्द्र, होमियोपैथिक क्लीनिक, रीड़िंग लाइबरेरी, इंग्लिश लर्निंग सेन्टर, रोगियों के टिफिन सेवा, मिनरल वाटर।

**भा.वि.प. गुजरात उत्तरः** एम्बुलेंस सेवा, अंतिम यात्रा रथ सेवा, अन्नपूर्णा सेवा प्रकल्प, नेत्र जांच शिविर एवं ऑपरेशन, साप्ताहिक मधुमेह जांच शिविर, संस्कार गार्डन, सिद्धेम गार्डन, राशन किट वितरण, संस्कार केन्द्र, नेत्र एवं देह दान।

**भा.वि.प. सौराष्ट्रः** मेडिकल सहायता केन्द्र, टिफिन सेवा, राशन सेवा, पौधारोपण एवं देखभाल

**भा.वि.प. महाराष्ट्र पश्चिमः** मोडुलर फुट प्रोड्क्शन सेन्टर, प्रतियोगी परीक्षा केन्द्र, छात्रावास, पैथोलॉजी लैब

**भा.वि.प. महाराष्ट्र कोंकणः** एम्बुलेंस

**भा.वि.प. महाराष्ट्र मुम्बईः** वृद्धाश्रम, मेडिकल सेंटर, पैथोलॉजी लेब व डेंटिस्ट, लाइबरेरी, गौशाला, न्यूट्रिशन, बिस्किट प्लांट, स्किल डेवलापूमेंट, दिव्यांग केन्द्र।

10 **शिक्षाः** भारत विकास परिषद् गर्ल्स इण्टर कॉलेज खुर्जा (उ.प्र.) 5 एकड. में बना हुआ CBSC से affiliated विद्यालय है इसमें 710 छात्राएं शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और इसका परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत है। इसके अलावा भारत विकास परिषद् स्कूल नांजनगुड (कर्नाटक), कोटा में माधव नर्सिंग कॉलेज (4 वर्षीय), जी.एन.एम. नर्सिंग स्कूल (3 वर्षीय) एवं भारत विकास परिषद् पैरामेडिकल इन्स्टीट्च्यूट (2 वर्षीय) चलाये जा रहे हैं।

11 **एनीमिया मुक्त भारतः** देश की महिलाओं और बच्चों में रक्ताल्पता (एनीमिया) जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन के लिए 'एनीमिया मुक्त भारत' नाम के इस अभियान को प्रारम्भ किया गया है। एनीमिया से ग्रसित होने पर निम्न परेशानियां हो सकती हैं- रक्त में ऑक्सीजन की कम आपूर्ति से अंदरूनी अंग जैसे कि किडनी-लीवर आदि को क्षति पहुंच सकती है। रक्त में लाल रक्त कोशिकाओं की कमी पूरा करने के लिए हृदय पर ज्यादा दबाव बनता है, इससे उसे नुकसान पहुंचता है। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया समय पूर्व प्रसव और कई बार बच्चे की मौत का भी कारण बन जाता है। एनीमिक बच्चे प्रायः अल्प-पोषण, कुपोषण और ठिगनापन का शिकार हो जाते हैं, जिससे उनका पूरा जीवन प्रभावित होता है।

इसकी आवश्यकता को देखते हुए भारत विकास परिषद् ने अक्टूबर 2020 में इस अभियान का शुभारम्भ किया। इसके तहत भारत विकास परिषद् की शाखाएँ, गांव-गांव जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों और 15 से 49 आयु वर्ग की महिलाओं की रक्त जांच कर उन्हें जरूरी उपचार दिये जा रहे हैं। जाँच में जो भी एनीमिक पाए जाते हैं। उन्हें आयरन की गोली समेत अन्य जरूरी दवाएं दी जाती है। साथ ही उन्हें खाने में क्या-क्या घरेलू चीजें लेनी हैं, इसकी जानकारी दी जा रही है

इस अभियान के अंतर्गत अब तक पूरे देश के विभिन्न क्षेत्रों में 55770 टेस्ट किये गए जिसमें 16731 महिलाएं एवं बच्चियां एनेमिक थीं जिनकी हीमोग्लोबिन रेंज 8 gms. से भी कम पाई गई।

12 **आत्मनिर्भर भारतः** आजादी के 75 वर्ष अमृतमहोत्सव के अवसर पर भारत विकास परिषद् ने महिलाओं को छोटे छोटे कुटीर उद्योगों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहे है। इसके अंतर्गत देश के विभिन्न क्षेत्रों में भारत विकास परिषद् द्वारा सिलाई केन्द्र का संचालन, ब्यूटीपार्लर केन्द्र एवं कम्पयूटर केन्द्र का संचालन किया जा रहा है जिससे वे स्वाभिमानी बनकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही है तथा परिवार के अन्य सदस्यों को इस काम में सलंग्न करके आत्मनिर्भर बन रही है। इसका विवरण निम्न प्रकार हैं।

- वाराणसी में 75 गरीब महिलाओं को सिलाई मशीनें प्रदान की गयी जिससे उन्हें अपना एक आय का साधन मिल गया और इससे उनके परिवार के अन्य सदस्यों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।
- पश्चिमी दिल्ली के रघुवीर नगर इलाके की गुजराती बस्ती में वाघरी समाज रहता है जो सामान्य रूप से पुराने कपड़ों का काम करता है, महिलायें घर-घर फेरी लगाकर बर्तन के बदले पुराने कपडे लेती है। इसमें अधिकतर परिवार प्रतिदिन कमाकर खाने वाले हैं। मार्च 2020 में लॉकडाउन लगते ही उनका काम काज पूरी तरह से बंद होने के कारण वे बेरोजगार हो गईं। उन महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं रोजगार देने के लिए सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। इसके साथ उस बस्ती की 75 गरीब छात्राओं को 750/- प्रतिमाह छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा रही है।
- आत्मनिर्भर कार्यक्रम के अंतर्गत जम्मू एवं कश्मीर के विभिन्न स्थानों में जैसे अखनूर (जम्मू), जोड़ियां (जम्मू), बकोर (जम्मू), रियासी जिले में दो केंद्र, श्रीनगर (कश्मीर), कोकरनाग (अनंतनाग) एवं सोपोर में सिलाई केंद्र चलायें जा रहे है जिससे हजारों महिलाओं को रोजगार प्राप्त हो रहा है।

| | |
|---|---|
| सिलाई केन्द्र | 66 |
| सिलाई मशीन वितरण | 500 |
| ब्यूटीपार्लर केन्द्र | 12 |
| कम्पयूटर केन्द्र | 15 |
| लाभार्थी | 7400 |

13 **महिला एवं बाल विकासः** महिला एवं बाल विकास प्रकल्प की महिला कार्यकर्ताओं द्वारा वर्ष 21-22 में निम्नलिखित कार्य किए गए -

- दिव्यांग बेटियों को कृत्रिम अंग वितरण, गर्भवती महिलाओं को हेतु गुड़, चना और लोहे की कढ़ाई का वितरण

- करोना योद्धा सम्मान
- इको फ्रेंडली भगवान गणपति जी की मूर्ति बनाना,
- दीपावली पर एलईडी झालर, गोबर और मिट्टी के दीए, धूपबत्ती बनाना, सिखाना
- हृदय रोग शिविर का आयोजन
- सैनिकों को राखी बना करके भेजना
- बाल संस्कार शिविर 265 ऑनलाइन
- लाभार्थी 26757
- बेटी पढ़ाओ-बेटी अपनाओ- बेटी बसाओ 267
- पैड वेंडिंग मशीन 150
- सैनेटरी पैड वितरण 30000

14 **अन्नपूर्णा रसोईः** उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान के अनेक शहरों में परिषद् की इकाइयां 'मां अन्नपूर्णा रसोई' के नाम से निःशुल्क भोजन वितरण करा रही है। कोरोना काल में इन शाखाओं ने स्थानीय प्रशासन के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर समाज सेवा की।

## संपर्क

1. **संस्कृति सप्ताहः** भारत विकास परिषद् का यह एक वार्षिक प्रकल्प है जो प्रत्येक वर्ष जुलाई से सितम्बर माह के बीच आयोजित किया जाता है और इसमें प्रत्येक शाखा सप्ताह भर लगातार संस्कार उन्मुख कार्यक्रम जैसे - मेंहदी लगाओ प्रतियोगिता, ड्रेस प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, व्यंजन बनाओं प्रतियोगिता एवं अन्य जागरुकता सबंधित कार्यक्रम शामिल हैं।

2. **परिषद् स्थापना दिवसः** 10 जुलाई भारत विकास परिषद् के स्थापना दिवस के अवसर पर परिषद् के क्रिया कलापों एव उद्देश्यों को समाज में पहुँचाने के उद्देश्य से परिषद् के विभिन्न स्तर शाखा-प्रांत एवं रीजन स्तरों पर कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सेवा-संस्कार के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कई स्थानों पर वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित हुए।

3. **प्रकाशनः** परिषद् की मासिक पत्रिका नीति और त्रैमासिक पत्रिका ज्ञान प्रभा का प्रकाशन किया जा रहा है। नीति की 63,500 प्रतियां एवं ज्ञान प्रभा की 1500 प्रतियां प्रकाशित होती है। परिषद् प्रकाशन विभाग द्वारा विभिन्न प्रकल्पों और गतिविधियों पर आधारित साहित्य का प्रकाशन कर रही है पिछले 2 वर्षों में कोरोना के चलते भारत को जानो और राष्ट्रीय चेतना के स्वर की पुस्तकें नहीं छप सकीं परन्तु अभी भारत को जानो की 3 लाख किताबें और राष्ट्रीय चेतना के स्वर की 20 हजार पुस्तकों का मुद्रण प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त सभी प्रकल्पों की पुस्तिकाएं एवं परिषद् के नियम व संचालन से संबधित

पुस्तिकाएं भी प्रकाशित की जा रही हैं। देश के विभिन्न भागों में परिषद् की शाखाओं / प्रांतों द्वारा 50 से अधिक पुस्तक/पुस्तिकाएं प्रकाशित की जाती हैं।

4. **परिषद् की वेबसाइट और सोशल मीडियाः** भारत विकास परिषद् की वेबसाइट (www.bvpindia.com) परिषद् के कार्यक्रमों के संचालन एव गतिविधियों की जानकारी एवं प्रचार-प्रसार का एक प्रभावशाली माध्यम है। इसे प्रतिदिन नियमित रूप से भारत विकास परिषद् केन्द्रीय कार्यालय द्वारा अनुरक्षित किया जाता है।

   परिषद् की यह वेबसाइट 16 वर्षों से सफलतापूर्वक परिषद् की सभी आवश्यक अद्यतन जानकारी नवीनतम तकनीक के साथ वेबसाइट को मोबाइल अनुकूल बनाकर और दैनिक समाचार ब्लॉग सहित सेवाएं प्रदान की जा रही है। परिषद् की गतिविधियों एवं नवीनतम समाचार की जानकारी हेतु सोशल मीडिया जैसे व्हाट्सएप्प ब्राडकास्टिंग ग्रुप, फेसबुक (bvporg), ट्विटर (BVPorg), यूट्यूब (bharatvikasparishadVikasVarta) पर भी उपलब्ध है।

5. **मीडिया एवं पब्लिसिटी :** भारत विकास परिषद् के मीडिया एवं पब्लिसिटी प्रकल्प में इस वर्ष पहली तिमाही में सभी क्षेत्रों एवं प्रांतो में मीडिया प्रमुखों की नियुक्ति की गई और लगभग हर क्षेत्र और प्रान्त के मीडिया प्रमुखों के साथ ऑनलाइन माध्यम से परिचय एवं संगठन कार्यो के विषय पर चर्चा हुई है दूसरी तिमाही में नवनियुक्त मीडिया प्रमुखों द्वारा अपनी क्षेत्रीय कार्यशाला एवं प्रांतीय कार्यशाला में मीडिया एवं पब्लिसिटी के विषय पर प्रशिक्षण दिया गया तीसरी तिमाही में एक दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन केंद्रीय कार्यालय दिल्ली में किया गया और राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं मीडिया विशेषज्ञों द्वारा सोशल मीडिया एवं प्रिंट मीडिया से परिषद् के सेवा एवं सामाजिक कार्यो के प्रचार प्रसार पर विस्तृत जानकारी दी गयी, इस अवसर पर परिषद् के मोबाइल एप को भी लांच किया गया इस वर्ष का लक्ष्य देशभर में परिषद् की 100 कार्यकर्ताओ की मजबूत टीम और सभी सदस्यों को परिषद् के सोशल मीडिया अकॉउंट से जोड़ना रखा गया है।

6. **क्षेत्रीय कार्यालयः** आपको सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि कौर कॉमेटी के निर्णय के अनुसार 3 क्षेत्रों में क्षेत्रीय कार्यालयों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

   1. **उत्तर पश्चिम क्षेत्र का क्षेत्रीय कार्यालयः** जयपुर में अजमेर रोड पर 1 करोड़ 10 लाख की लागत से 3600 sq. fts. जमीन खरीद कर क्षेत्रीय कार्यालय का भवन निर्माणकार्य लगभग पूर्ण हो चुका हैं। जल्द ही यहां पर परिषद् की गतिविधिया प्रारंभ की जायेगी।

   2. **उत्तर क्षेत्र-1 का क्षेत्रीय कार्यालयः** पठानकोट के छतवाल में भारत विकास परिषद् चैरिटेबल ट्रस्ट नई दिल्ली के नाम पर उपलब्ध भूमि पर क्षेत्रीय कार्यालय का निर्माण प्रारम्भ हो चुका है। जिसका विधिवत भूमि पूजन समारोह 29 जनवरी 2022 को माननीय अध्यक्ष श्री गजेन्द्र सिंह सन्धू एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री सुरेश जैन जी के द्वारा संपन्न किया गया।

3. **उत्तर मध्य क्षेत्र -2 का क्षेत्रीय कार्यालयः** भारत विकास परिषद् उत्तर-मध्य क्षेत्र-2 का क्षेत्रीय कार्यालय के लिए लखनऊ निवासी श्री सुरेन्द्र कुमार जैन ने परिषद् के कार्यों से प्रभावित होकर समाज के प्रति बड़े ही निष्ठा एवं समर्पण भाव से 3.5 करोड़ की लागत वाला अपना 11421 sq. fts. का मकान न. 561/1 प्लॉट न. ए-19, सिन्धू नगर (लखनऊ) भारत विकास परिषद् को उपहार स्वरुप दान दिया है। इसकी रजिस्ट्री की प्रक्रिया 24 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्याम शर्मा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री सुरेश जैन, संगठन मंत्री (3 क्षेत्र) श्री विक्रान्त खण्डेलवाल एवं रीजन अध्यक्ष श्री आर.बी. श्रीवास्तव, रीजन के महासचिव श्री मुकेश जैन, प्रांत के सभी पदाधिकारीगण की उपस्थित में सम्पन्न हुआ।

## संगठन की उपलब्धियाँ

- वर्ष 1995 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने भारत विकास परिषद् द्वारा विकलांग व्यक्तियों के कल्याण के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु विकलांग सहायता केंद्र, दिल्ली को 'राष्ट्रीय पुरस्कार' प्रदान किया।
- वर्ष 2004 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा विकलांग व्यक्तियों के कल्याण के लिए लुधियाना में परिषद् के विकलांग सहायता केंद्र को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया।
- वर्ष 2007 में देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने भारत विकास परिषद् दिव्यांग सहायता केंद्र लुधियाना को शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए फिक्की पुरस्कार से सम्मानित किया।
- वर्ष 2008 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमति प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने घरों, स्कूलों, आंगनवाड़ियों में पूर्ण स्वच्छता कवरेज प्राप्त करने और ग्रामीण स्वच्छता को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट योगदान के लिए 17 अक्टूबर, 2008 को भारत विकास परिषद् द्वारा गोद लिए गए मुहब्बतपुर गांव को ''निर्मल ग्राम पुरस्कार'' प्रदान किया।
- 10 दिसंबर 2017 को एन.डी.एम.सी. कनवेशंन सेन्टर में राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रुप महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी ने भारत विकास परिषद् की भूरि-भूरि प्रंसशा की।
- 22 नवम्बर 2021 को देश के सबसे प्रतिष्ठित विज्ञान भवन के सभागार में डॉ सूरज प्रकाश जन्म शताब्दी वर्ष का वृहद एवं भव्य आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में माननीय श्री मोहन भागवत जी पूज्यनीय सरसंघचालक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।
- अभी हाल में ही 18 दिसम्बर 2022 को मुम्बई के बिरला मातोश्री सभागार में भारत विकास परिषद् द्वारा सम्भ्रांत नागरिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

# डॉ. सूरज प्रकाश जन्मशताब्दी समारोह

22 नवम्बर, 2021 को दिल्ली के प्रख्यात विज्ञान भवन में भारत विकास परिषद् के संस्थापक डॉ. सूरज प्रकाश जी का जन्मशताब्दी समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ एवं मुख्य अतिथि धानुका एग्रीटेक के एमडी श्री महेन्द्र कुमार धानुका रहे। समारोह में निकटवर्ती प्रान्तों के परिषद् दायित्वधारी, सदस्यों, प्रसिद्ध उद्योगपतियों, चिकित्सकों, अधिक्ताओं, नौकरशाहों, सीए व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। पूजनीय मोहन भागवत जी ने डॉ. सूरज प्रकाश जी के जीवन की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए उनके एक निःस्वार्थ स्वयंसेवी संगठन के निर्माण को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि डॉ. सूरज प्रकाश जी एक प्रतिष्ठित चिकित्सक थे, वे अपना जीवन सुख सुविधा और आराम से व्यतीत कर सकते थे। परन्तु उन्होंने जीवन में सेवा को महत्व दिया। समाज के प्रति अपनापन, दुखी और पीड़ित लोगों को देखकर उनके प्रति संवेदना और उनकी सेवा को उन्होंने अपने जीवन का लक्ष्य बनाया। संगठन के बीज रूप में कार्य करते हुए कहना, वही करना, इस भाव से कृतित्व कर उन्होंने संगठन का निर्माण किया। उन्होंने अपनी प्रसिद्धि के लिए कोई कार्य नहीं किया। आज जब हम डॉ. सूरज प्रकाश जी की जन्मशताब्दी वर्ष मना रहे हैं, तो शायद उनके समय के बहुत कम लोग होंगे। परन्तु उनका कृतित्व हमें उनकी विलक्षण प्रतिभा को याद दिलाता है। सामान्य जीवन में साधन सम्पन्न लोगों के द्वारा दुखी और पीड़ित मानवता की सेवा के लिए कार्य करने के लिए अपना स्वभाव बदलना पड़ता है। अपना संकल्प निर्धारित करना पड़ता है। तब जीवन की कृति से ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण होता है। ऐसा प्रेरक व्यक्तित्व डॉ. सूरज प्रकाश जी के रूप में हमारे सामने है।

हम अपनी पूर्वजों की कुछ पीढ़ियों को भी शायद स्मरण नहीं रख पाते, परंतु स्वामी विवेकानंद को स्मरण रखते हैं, कारण क्या? उनसे हमारा कोई परिचय नहीं कोई साक्षात्कार नहीं, किसी प्रकार का मानवीय संबंध नहीं, फिर भी हम उनको याद रखते हैं। क्यों? इसलिए कि वे मानवता के लिए जिए उनका अपना कुछ नहीं। साधन नहीं सुख सुविधाएं नहीं, संपन्नता नहीं, शान्ति नहीं, पद नहीं, फिर भी हम उनको स्मरण करते हैं। क्यों? इसलिए कि उन्होंने भारत का साक्षात्कार किया, भारत को गौरव दिलाया। वे सदा के लिए अमर हो गये। राजा रतिदेव ने कहा है - न त्वहं कामये राज्यं न स्वर्गं नापुनर्भवम्। कामये दुःखतप्तानां प्राणिनामार्तिनाशनम्।। अर्थात् न मुझे राज्य की इच्छा है न मोक्ष की अभिलाषा है और न ही मेरी पुनर्जनम की इच्छा है। मैं दुखी, पीड़ित मनुष्यों का दुःख दूर कर सकूँ यही मेरी अभिलाषा है।

डॉक्टर सूरज प्रकाश जी ने ऐसा जीवन जीने का संदेश हमें दिया कि समन्वय के आधार पर विभिन्न प्रकार के संघर्षों से दूर एक आत्म चेतना के आधार पर विश्व का कल्याण कर सके। उन्होंने कार्य पद्धति का निर्माण किया जिसके आधार पर संपूर्ण मानवता प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सके।

डॉक्टर सूरज प्रकाश जी ने हमें जो कार्यपद्धति दी यही उनका वैशिष्ट्य है उनके जीवन का प्रतिबिंब। भारत विकास परिषद् के कार्यों से प्रकट होता है कि भारत एक महाशक्ति नहीं बनेगा बल्कि यह विश्व गुरु बनेगा। श्रेष्ठ जीवन शैली, श्रेष्ठ आध्यात्मिक, सामरिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन मूल्यों का निर्माण करेगा और इसके आधार पर सारे संसार के लोगों को अपनी विशेषताओं के साथ जीवन निर्माण करने के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा यही कार्य भारत को करना है।

## विकास रत्न

| No. | Name | Place | Prant |
|---|---|---|---|
| 1 | Shri RatanLal Nahar | Bijai Nagar | Rajasthan Central |
| 2 | Shri Pradeep Khera | Ambala Cantt. | Haryana North |
| 3 | Shri Tarsem Chand Tayal | Sriganga Nagar | Rajasthan North |
| 4 | Shri Mohan Gupta | Bhiwadi | Rajasthan N. East |
| 5 | Shri Pankaj Aggarwal | Bhiwadi | Rajasthan N. East |
| 6 | Shri Parveen Mangla | Aligarh | Braj North |
| 7 | Dr. M.Premjit Singh | Imphal | Manipur |
| 8 | Shri Navneet Goel | Gandhidham | Gujarat Central |
| 9 | Shri Rakesh Goyal | Punjabi Bagh | Delhi West |
| 10 | Shri Vinod Madhav Karandikar | Thane | Maharashtra Kokan |
| 11 | Shri Chandra Mohan Gupta | Kanpur | Brahmavart |
| 12 | Shri G. Laxman Rao | Hyderabad | Telangana |
| 13 | Shri Arjun Dass Bhardwaj | Dehradun | Uttrakhand West |
| 14 | Shri Anup Kumar Kaul | Dehradun | Uttrakhand West |
| 15 | Shri Abhay Kashyap | Dehradun | Uttrakhand West |
| 16 | Shri Manmohan Kumar Nagalia | Dehradun | Uttrakhand West |
| 17 | Shri Sunil Kumar Patodia | Mumbai | Mah. Mumbai |
| 18 | CA Sandeep Baldi | Bhilwara | Rajasthan Central |
| 19 | Shri Ajeet Singh Tomar | Dehradun | Uttrakhand West |
| 20 | Shri Surendra Raj Mehta | Jodhpur | Rajasthan West |
| 21 | Shri Dharm Gopal Mittal | Agra | Braj Prant |
| 22 | Shri Madhav Gupta | Rampur | Rohelkhand West |
| 23 | Shri Pradeep Kumar Saxena | Lucknow | Avadh Pradesh |
| 24 | Shri Pawan Kumar Bangar | Bhilwara | Rajasthan Central |
| 25 | Shri Harish Kumar Gaur | Gurgaon | Haryana South |

# Bharat Vikas Parishad
## Branches and Membership in Various Prants
## During 2020-21 and 2021-22

| S. No. | Region/PRANT | Branches as on | | Membership (Family Unit) as on | | Vikas Mitra as on | Vikas Ratna as on |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Mar-21 | Mar-22 | Mar-21 | Mar-22 | Mar-22 | Mar-22 |
| **NORTH REGION-I** | | | | | | | |
| 1 | Jammu & Kashmir | 18 | 25 | 654 | 1069 | 12 | 1 |
| 2 | Himachal Pradesh West | 13 | 13 | 542 | 542 | 7 | |
| 3 | Himachal Pradesh East | 10 | 11 | 260 | 260 | 3 | |
| 4 | Punjab North | 23 | 20 | 860 | 800 | 51 | 3 |
| 5 | Punjab West | 43 | 43 | 2137 | 2137 | 152 | |
| 6 | Chandigarh | 27 | 29 | 1982 | 2260 | 78 | 6 |
| 7 | Punjab South | 30 | 26 | 1700 | 1550 | 157 | 1 |
| 8 | Punjab East | 37 | 34 | 2212 | 2100 | 245 | 6 |
| | **Total** | **201** | **201** | **10345** | **10718** | **705** | **17** |
| **NORTH REGION-II** | | | | | | | |
| 9 | Haryana North | 42 | 44 | 2141 | 2150 | 52 | 10 |
| 10 | Haryana South | 21 | 27 | 982 | 1400 | 153 | 6 |
| 11 | Haryana Madhya | 25 | 30 | 1181 | 1463 | 41 | 6 |
| 12 | Haryana West | 34 | 37 | 1891 | 2215 | 86 | 7 |
| 13 | Delhi North | 9 | 13 | 966 | 610 | 42 | 3 |
| 14 | Delhi Central | 18 | 26 | 1510 | 1650 | | |
| 15 | Delhi South | 8 | 9 | 472 | 549 | 42 | 1 |
| 16 | Delhi West | 15 | 12 | 1020 | 600 | 7 | |
| 17 | Delhi East | 23 | 18 | 860 | 762 | 66 | 3 |
| | **Total** | **195** | **216** | **11023** | **11399** | **482** | **43** |
| **NORTH CENTRAL REGION-I** | | | | | | | |
| 18 | Uttrakhand West | 20 | 22 | 817 | 842 | 119 | 16 |
| 19 | Uttrakhand East | 19 | 19 | 670 | 680 | 70 | 6 |
| 20 | U.P. West | 51 | 48 | 2061 | 2087 | 123 | 13 |
| 21 | Hastinapur | 50 | 52 | 1632 | 1752 | 243 | 11 |
| 22 | Rohelkhand East | 8 | 22 | 250 | 560 | 4 | 0 |
| 23 | Rohelkhand West | 20 | 18 | 855 | 692 | 87 | 6 |
| 24 | Braj Uttar | 20 | 19 | 725 | 703 | 53 | 8 |
| 25 | Braj Prant | 32 | 29 | 1097 | 1256 | 43 | 2 |
| | **Total** | **220** | **229** | **8107** | **8572** | **842** | **62** |

| S. No. | Region/PRANT | Branches as on | | Membership (Family Unit) as on | | Vikas Mitra as on | Vikas Ratna as on |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Mar-21 | Mar-22 | Mar-21 | Mar-22 | Mar-22 | Mar-22 |
| **NORTH CENTRAL REGION-II** | | | | | | | |
| 26 | Bundelkhand | 13 | 10 | 497 | 415 | 92 | 2 |
| 27 | Brahmavart | 40 | 43 | 1593 | 1706 | 113 | 2 |
| 28 | Avadh Pradesh | 23 | 19 | 1576 | 1384 | 186 | 9 |
| 29 | Goraksh | 8 | 8 | 200 | 200 | | |
| 30 | Kashi | 30 | 29 | 1160 | 1263 | 81 | 4 |
| 31 | Prayag | 12 | 15 | 392 | 450 | 21 | 4 |
| | **Total** | **126** | **124** | **5418** | **5418** | **493** | **28** |
| **EAST REGION** | | | | | | | |
| 32 | North Bihar | 14 | 13 | 543 | 433 | 12 | |
| 33 | Koshi Bihar | 5 | 5 | 136 | 122 | 3 | |
| 34 | Magadh Bihar | 8 | 10 | 250 | 305 | 15 | 2 |
| 35 | South Bihar | 10 | 16 | 346 | 578 | 5 | |
| 36 | Jharkhand | 22 | 26 | 774 | 791 | 42 | 1 |
| 37 | Odisha East | 14 | 14 | 631 | 728 | 14 | 1 |
| 38 | Odisha West | 9 | 9 | 340 | 328 | | |
| 39 | West Bengal | 16 | 16 | 527 | 565 | 31 | 4 |
| | **Total** | **98** | **109** | **3547** | **3850** | **122** | **8** |
| **NORTH EAST REGION** | | | | | | | |
| 40 | Assam | 20 | 21 | 695 | 721 | 8 | |
| 41 | Sikkim | 1 | 1 | 25 | 25 | | |
| 42 | Meghalaya | 3 | 1 | 75 | 25 | | |
| 43 | Mizoram | 1 | 1 | 25 | 25 | | |
| 44 | Arunachal Pradesh | 4 | 9 | 101 | 225 | | |
| 45 | Nagaland | 1 | 1 | 25 | 25 | | |
| 46 | Manipur | 9 | 9 | 258 | 243 | 1 | |
| 47 | Tripura | 9 | 9 | 240 | 230 | 5 | |
| | **Total** | **48** | **51** | **1444** | **1525** | **13** | **1** |
| **NORTH WEST REGION** | | | | | | | |
| 48 | Rajasthan North | 27 | 31 | 1079 | 1191 | 118 | 8 |
| 49 | Rajasthan North East | 25 | 32 | 1452 | 1810 | 96 | 9 |
| 50 | Rajasthan East | 21 | 22 | 1142 | 1279 | 96 | 1 |
| 51 | Rajasthan South East | 37 | 31 | 1611 | 1635 | 61 | 1 |
| 52 | Rajasthan West | 27 | 31 | 1755 | 1911 | 149 | 11 |
| 53 | Rajasthan Central | 37 | 40 | 2292 | 2631 | 162 | 8 |
| 54 | Rajasthan South | 34 | 3 4 | 1323 | 1331 | 153 | 5 |
| | **Total** | **208** | **221** | **10654** | **11788** | **835** | **43** |

| S. No. | Region/PRANT | Branches as on | | Membership (Family Unit) as on | | Vikas Mitra as on | Vikas Ratna as on |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Mar-21 | Mar-22 | Mar-21 | Mar-22 | Mar-22 | Mar-22 |
| **CENTRAL REGION** | | | | | | | |
| 55 | Madhya Bharat North | 19 | 21 | 907 | 1047 | 80 | 7 |
| 56 | Madhya Bharat West | 17 | 17 | 674 | 744 | 15 | |
| 57 | Madhya Bharat South | 14 | 12 | 533 | 537 | 3 | |
| 58 | Mahakaushal | 17 | 12 | 641 | 359 | 10 | |
| 59 | Vindhya | 8 | 9 | 326 | 367 | 2 | |
| 60 | Chhattisgarh | 8 | 8 | 275 | 304 | 13 | 1 |
| | **Total** | **83** | **79** | **3356** | **3358** | **123** | **8** |
| **WEST REGION** | | | | | | | |
| 61 | Gujarat North | 15 | 15 | 1185 | 1246 | 4 | |
| 62 | Gujarat Central | 33 | 38 | 1450 | 1957 | 8 | 1 |
| 63 | Gujarat South | | 1 | | | | |
| 64 | Saurashtra Kutch | 21 | 23 | 1400 | 1650 | 2 | |
| 65 | Maharashtra Kokan | 10 | 12 | 510 | 600 | 115 | 1 |
| 66 | Mumbai | 17 | 21 | 700 | 990 | 15 | 20 |
| 67 | Maharashtra West | 13 | 15 | 535 | 522 | 24 | 9 |
| 68 | Vidarbha | 4 | 6 | 112 | 213 | 1 | |
| 69 | Devgiri | 5 | 7 | 210 | 350 | | |
| 70 | Goa | 4 | 4 | 160 | 144 | 2 | |
| | **Total** | **122** | **141** | **6262** | **7672** | **159** | **34** |
| **SOUTH REGION** | | | | | | | |
| 71 | Tirupati | 9 | 10 | 300 | 260 | | |
| 72 | Amarawati | 6 | 6 | 200 | 250 | 15 | |
| 73 | Vishakhapatnam | 3 | 8 | 100 | 300 | 7 | |
| 74 | Telangana | 13 | 12 | 679 | 586 | 21 | 6 |
| 75 | Karnataka North | 5 | 6 | 170 | 204 | 37 | 2 |
| 76 | Karnataka South | 11 | 9 | 553 | 330 | 72 | 4 |
| 77 | Kerala & Lakshadweep | 5 | 7 | 155 | 239 | 9 | |
| 78 | Tamil Nadu North | 9 | 8 | 254 | 254 | 14 | 2 |
| 79 | Tamil Nadu South | 6 | 160 | 1 | | | |
| | **Total** | **67** | **66** | **2571** | **2423** | **175** | **15** |
| | **Grand Total** | **1368** | **1437** | **62727** | **66723** | **3949** | **259** |

## BALANCE SHEET for the financial year ended as on 31 MARCH, 2022

| LIABILITIES | | | | ASSETS | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Particulars | Sch. | As on | As on | Particulars | Sch. | As on | As on |
| | | 31.3.2022 | 31.3.2021 | | | 31.3.2022 | 31.3.2021 |
| **Corpus Fund** | 1 | 9,96,12,901 | 6,08,45,322 | Fixed Assets | 5 | 7,70,70,072 | 2,23,84,047 |
| **Reserve & Surplus** | 2 | 9,23,53,853 | 6,76,03,052 | Investments | 6 | 13,87,24,687 | 12,88,60,495 |
| **Earnedmarked & Other Funds** | 3 | 5,58,00,540 | 5,11,59,585 | Current Assets | 7 | 28,39,200 | 10,31,452 |
| **Current Liabilities** | 4 | 23,59,991 | 5,56,953 | Cash & Bank Balance | 8 | 3,14,93,326 | 2,88,88,918 |
| **Total Rs.** | | **25,01,27,285** | **18,11,64,912** | | | **25,01,27,285** | **18,11,64,912** |

As per report of even date attached

**For Sandeep Kumar Jain & Co.**
Chartered Accounts
Firm No. 010785N

Sd/
CA Sandeep Kumar (Partner)
Membersship No. 089419
Chartered Accounts
UDIN No.22089419 ARPMMZ 5708

Place : New Delhi
Date : 9-9-2022

**For Bharat Vikas Parishadr**

| Sd/ | Sd/ | Sd/ |
|---|---|---|
| Gajendra Singh Sandhu | Shyam Sharma | CA Mahesh Baboo Gupta |
| President | Secretary General | Finance Secretary |

Place : New Delhi
Date : 9-9-2022

## Income & expenditure account for the financial year ended 31 MARCH, 2022

| EXPENDITURE | | | INCOME | | |
|---|---|---|---|---|---|
| PARTICULARS | CURRENT YEAR ₹ | PREV. YEAR ₹ | PARTICULARS | CURRENT YEAR ₹ | PREV. YEAR ₹ |
| Expenditure on Charitable Projects | 1,38,02,410 | 3,54,68,134 | Contribution from members | 3,13,07,000 | 2,80,39,000 |
| Salary to employees | 32,95,138 | 31,39,942 | Membership Fee | 47,000 | 19,400 |
| Meeting/Conference exp. | 54,12,319 | 33,17,073 | Affiliation Fee Received | 2,22,300 | 2,13,600 |
| Electricity & Water expenses | 5,84,752 | 5,39,988 | Donations | 2,54,71,054 | 3,36,28,379 |
| Travelling expenses | 26,48,977 | 11,45,008 | Bank interest on : | | |
| Telephone expenses | 63,447 | 50,296 | Fixed deposits | 18,65,346 | 18,77,600 |
| Niti printing expenses | 35,47,577 | 21,87,892 | Savings Accounts | 8,93,406 | 8,07,614 |
| Niti distribution exp. | 7,06,436 | 3,79,440 | Intt. on Income tax refund | 58,600 | 6,765 |
| Postage & Courier | 87,088 | 62,926 | Income tax refund | 7,32,580 | 6,77,555 |
| Printing & Stationery expenses | 16,84,499 | 3,91,627 | | | |
| Audit fee | 1,09,190 | 1,11,450 | | | |
| Conceyance expenses | 1,13,634 | 34,206 | | | |
| Advertisement expenses | 87,708 | 66,278 | | | |
| Office maintenance expenses | 16,35,874 | 11,39,281 | | | |

*contd. on page 32*

## Income & expenditure account for the financial year ended 31 MARCH, 2022

*contd. from page 31*

| EXPENDITURE | | | INCOME | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **PARTICULARS** | **CURRENT YEAR ₹** | **PREV. YEAR ₹** | **PARTICULARS** | **CURRENT YEAR ₹** | **PREV. YEAR ₹** |
| Miscellaneous expenses | 51,566 | 34,207 | | | |
| Property tax | 82,560 | 82,560 | | | |
| Repair & Maint. expenses | 3,30,832 | 8,23,603 | | | |
| Depreciation | 10,07,068 | 10,57,380 | | | |
| Income tax paid | 5,95,410 | 5,62,067 | | | |
| Transfer to General Reserve | - | 50,00,000 | | | |
| Surplus of the year | 2,47,50,801 | 96,76,555 | | | |
| **Total ₹** | **6,05,97,286** | **6,52,69,913** | **Total ₹** | **6,05,97,286** | **6,52,69,913** |

As per report of even date attached
**For Sandeep Kumar Jain & Co.**
Chartered Accounts
Firm No. 010785N

Sd/
CA Sandeep Kumar (Partner)
Membersship No. 089419
Chartered Accounts
UDIN No.22089419 ARPMMZ 5708

Place : New Delhi
Date : 9-9-2022

**For Bharat Vikas Parishadr**

Sd/
Gajendra Singh Sandhu
President

Place : New Delhi
Date : 9-9-2022

Sd/
Shyam Sharma
Secretary General

Sd/
CA Mahesh Baboo Gupta
Finance Secretary